मंजू भार्गवी
अकादेमी पुरस्कार: कूचिपूड़ी

तमिलनाडु के चेन्नई में 24 जुलाई 1952 को जन्मी, श्रीमती मंजू भार्गवी ने कूचिपूड़ी नृत्य का प्रशिक्षण गुरु वेम्पति चिन्ना सत्यम के मार्गदर्शन में कूचिपूड़ी आर्ट एकेडमी, चेन्नई से प्राप्त किया है। आपने गुरु नर्मदा के अधीन भरतनाट्यम भी सीखा है।

आपने देश–विदेश में कई कार्यशालाओं का आयोजन किया है और कूचिपूड़ी नृत्य पर कई व्याख्यान–प्रदर्शन किए हैं। श्रीमती मंजू भार्गवी न केवल कूचिपूड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना और गुरु हैं, बल्कि आप बहुत अच्छी कोरियोग्राफर और अभिनेत्री भी हैं। आपने पुरुष–प्रभुत्व वाले यक्षगान के क्षेत्र में भी प्रवेश और हस्तक्षेप किया है और पुरुष कलाकारों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाएँ भी की है।

कूचिपूड़ी के पारम्परिक प्रारूप में श्रीमती मंजू भार्गवी की गहरी आस्था है और इस संदर्भ में आप वेम्पती स्कूल का पालन करती हैं। पिछले 50 वर्षों के दौरान, आपने उत्साहपूर्वक कूचिपूड़ी के प्रचार–प्रसार का प्रयास किया है। आपने शास्त्रीय रचनाओं और नाटकों का दस्तावेजीकरण करने और उन्हें पुनर्जीवित करने की दिशा में काम किया है। नृत्यांगना के रूप में आपका सुदीर्घ अनुभव और कार्य रहा है और इस दौरान आपने अमेरिका, कनाडा, अफ्रीका, रूस और दक्षिण पूर्व एशिया सहित दुनिया भर में आपने प्रस्तुतियाँ दी है।

आपको असंख्य उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, राज्योत्सव पुरस्कार (2003), कर्नाटक सरकार से मिला कला रत्न पुरस्कार (2010) और तेलंगाना से मिला कलारत्न हंस पुरस्कार महत्वपूर्ण हैं।

श्रीमती मंजू भार्गवी को कूचिपूड़ी नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

MANJU BARGGAVEE
Akademi Award: Kuchipudi

Born on 24 July 1952 in Chennai, Tamil Nadu, Shrimati Manju Barggavee took her training from Vempati Chinna Satyam and at Kuchipudi Art Academy, Chennai. She also learned Bharatanatyam under Narmada.

She has organized many workshops in India and abroad and has given many lecture-demonstrations in Kuchipudi. Shrimati Manju Barggavee, a celebrated Kuchipudi danseuse, guru, choreographer and actress, also entered into the male-dominated Yakshagana arena of Kuchipudi and essayed roles that were played by male artists.

Shrimati Manju is an avid believer in the traditional format of Kuchipudi and faithfully adheres to the Vempati School. Over the last 50 years, she has ardently strived to propagate Kuchipudi and has worked towards documenting and reviving classical compositions and dramas. In a career spanning over fine decades, she has performed in many stages across the world including the US, Canada, Africa, Russia and South East Asia.

She has been conferred with many titles and awards, some of the important ones being the Rajyotsava Award (2004) and the Kala Rathna award (2010) from the Government of Karnataka, Kalarathna Hamsa Award from the Government of Telangana (2009), among others.

Shrimati Manju Barggavee receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for her contribution to Kuchipudi dance.